SNBP International & Senior Secondary School, Chikhali, Pune.
Affiliation No. 1130703
Academic session 2024-25
Class Notes

CLASS: 5 SUBJECT: हिंदी

Prepared By: Salma (Date:) LESSON-१३) कगनमल और गुलगुले व्याकरण-१४) मुहावरे और लोकोक्तियाँ

प्रश्न-१) शब्दार्थ मधुश्री पाठ्यपुस्तक से नोटबुक में लिखिए।

प्रश्न-२) दिए गए शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए-

क) कुश्ती- मल्लयुद्ध
वाक्य- कुत्ते ने हिरन के साथ कुश्ती लड़ी।

ख) परिवेश - वातावरण
वाक्य- हमें अपने परिवेश को स्वच्छ रखना चाहिए।

प्रश्न-३) खाली-स्थान भरिए-

क) चिड़िया को गुलगुले खाते देख **<u>कगनमल</u>** की लार टपक पड़ी।
ख) मिट्टी खोदने के लिए **<u>हिरन</u>** के सींग की जरूरत थी।
ग) **<u>कुत्ते</u>** के साथ हिरन ने कुश्ती लड़ी।

प्रश्न-४) दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर चार से पाँच वाक्यों में दीजिए-

१) कगनमल ने घास से क्या कहा और घास ने क्या जवाब दिया?

उत्तर- कगनमल ने घास से कहा कि घास तुम मुझे घास दो, घास खाकर गाय दूध देगी, दूध कुत्ता पिएगा फिर वह हिरन से लड़ेगा, उसका सींग टूटेगा, उससे मिट्टी खुदेगी फिर घड़ा बनेगा, उसमें मैं पानी भरूँगा और अपना मुँह धोकर गुलगुले खाऊँगा। इस पर घास जवाब देती है कि हँसिया ला और मुझे काट कर ले जा।

२) जब कगनमल कुत्ते के पास गया तब कुत्ते ने कगनमल से क्या कहा?

उत्तर- कुत्ते ने कगनमल से कहा कि वह कल से भूखा है और उसके अंदर ताकत नहीं है। मुझे दूध लाकर दो तब मुझ में ताकत आएगी।

३) हिरन ने किसके साथ कुश्ती लड़ी और क्यों?

उत्तर- हिरन ने कुत्ते के साथ कुश्ती इसलिए लड़ी ताकि कगनमल को उसका सींग मिल सके जिससे कगनमल मिट्टी खोदकर कुम्हार से घड़ा बनवाए और उसमें पानी भरकर अपना मुँह धो सके।

४) मीठे गुलगुले खाने के लिए कगनमल किस-किसके पास गया?

उत्तर- मीठे गुलगुले खाने के लिए कगनमल कुएँ, कुम्हार, मिट्टी के टीले, हिरन, कुत्ता, गाय और घास के पास गया।

५) यह एकांकी क्या संदेश दे रही है? अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर- यह एकांकी परिश्रम करने का संदेश दे रही है। परिश्रम का फल मीठा होता है । और परिश्रम द्वारा हम जीवन में सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

प्रश्न-५) गतिविधि- किन्हीं दो पशुओं की बातचीत को संवाद रूप में लिखिए।

व्याकरण पाठ- मुहावरे और लोकोक्तियाँ

परिभाषा- मुहावरे वे वाक्यांश होते हैं, जिनके प्रयोग से साधारण अर्थ विशेष अर्थ में बदल जाता है। जैसे –

१) अक्ल का दुश्मन- मूर्ख

वाक्य- सुमित से कोई भी काम ठीक से नहीं होता, वह तो अक्ल का दुश्मन है।

२) बाएँ हाथ का खेल- आसान काम

सचिन तेंदुलकर के लिए शतक बनाना बाएँ हाथ का खेल है।

३) बाल-बाल बचना-मुश्किल से बचना

वाक्य- कल ट्रेन दुर्घटना में सभी लोग बाल-बाल बच गए।

४) रंग में भंग पड़ना- खुशी में बाधा पड़ना

वाक्य - रमेश की जन्मदिन की पार्टी में झगड़ा होने पर रंग में भंग पड़ गया।

५) नमक-मिर्च लगाना- बात को बढ़ा-चढ़ाकर कहना

वाक्य- हमारी पड़ोसन रेनू नमक-मिर्च लगाकर बातों को बताती है।

लोकोक्तियाँ- लोकोक्ति को कहावत भी कहते हैं। कहावत का अर्थ सीधा होता है उसे हम आसानी से समझ सकते हैं।

१) दूध का दूध, पानी का पानी- न्याय करना

वकील ने अदालत में सबूत दिखाकर दूध का दूध पानी का पानी कर दिया।

२) उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे – निर्दोष पर दोष लगाना

नीलिमा ने निधि का पेन तोड़ दिया और निधि को ही डाँट रही है। इसे कहते हैं उल्टा चोर कोतवाल को डाँटे।

३) जिसकी लाठी, उसकी भैंस- बलवान की ही जीत होती है

इस युग में निर्धन व्यक्ति को कोई नहीं पूछता। आजकल तो जिसकी लाठी उसकी भैंस।

४) जैसी करनी वैसी भरनी- कर्म के हिसाब से फल मिलना

रमेश परीक्षा के समय टी०वी० देखता रहा और परीक्षा में फेल हो गया। इसे कहते हैं, जैसी करनी वैसी भरनी।

५) आम के आम गुठलियों के दाम- दोहरा लाभ होना

मेरी माता जी ने पुरानी घड़ी देकर नई घड़ी ले ली। इसे कहते हैं आम के आम गुठलियों के दाम।

SUB TEACHER HOD CO-ORDINATOR PRINCIPAL